सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-6	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:5 रुपयों का पेड़

मौखिक कौशल

1. बच्चे लूडो खेल रहे थे।

2. बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा जमा करना।

3. बच्चों ने चंदा देने से मना कर दिया तो मोहन निराश हो गया।

4. मंत्र से रुपयों का पेड़ लगाया जाता था।

5. बच्चों ने पाँच-पाँच रुपए के पौधे लगाए।

लिखित कौशल

1. (क) मोहन बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के लिए चंदा इकट्ठा कर रहा था।

(ख) बच्चों ने चंदा न देने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाए। उन्होंने मोहन को कहा कि क्यों बेकार पचड़े में पड़ते हो, हमारे पास पैसे कहाँ है? हमारी जेब तो खाली है। चंदा किसी और से लेना, अपने साथियों से तो मत वसूल करो।

(ग) दोस्तों की उदासीनता देखकर मोहन एक मिनट निराश - सा खड़ा रहता है फिर जैसे उसके दिमाग में मज़ेदार बात आती है तो उसके चेहरे पर खुशी छा जाती है। वह डिब्बा रखकर अपने दोस्तों के साथ खेलने लग जाता है।

(घ) मोहन ने बताया कि मंत्र से रुपयों का पेड़ लगाया जाता है। यह मंगलवार के दिन ही लगता है। गमले में एक रुपए का सिक्का बोने से एक-एक रुपए के फूल खिलेंगे और पाँच रुपए बोने से पाँच-पाँच रुपए के फूल खिलेंगे।

(ङ) सभी बच्चों के जाने के बाद मोहन गमलों से मिट्टी हटाकर चारों सिक्के निकालता है और उन्हें चंदे वाले डिब्बे में डाल देता है। खाली गमलों में थैले से एक-एक पौधा निकालकर लगा देता है।

(च) गमलों में निकले हुए पौधे देखकर सभी बच्चे खुशी से नाचने लगे।

(छ) मोहन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसने अपने दोस्तों द्वारा गमलों में बोए सिक्के निकालकर चंदे के डिब्बे में डाल दिए थे। इस प्रकार उसे बच्चों से चंदा मिल गया था।

2. (क) मोहन ने (ख) वीरू ने (ग) मिथुन ने (घ) रीता ने

मूल्यपरक प्रश्न

1. मोहन का यह तरीका उचित था क्योंकि किसी अच्छे और नेक काम के लिए बोला गया झूठ सच के बराबर होता है। मोहन ने पीड़ितों की मदद के लिए चंदा जमा करने हेतु झूठ बोला था। उसके झूठ से किसी की मदद हो तो इसे झूठ नहीं माना जाता है। भले ही उसने झूठ बोला हो परंतु उसका इरादा गलत नहीं था।

2. इससे मोहन के व्यक्तित्व के गुणों का पता चलता है, जैसे - ईमानदारी, सच्चाई, भरोसेमंद, मैत्री भाव आदि।